शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

सिवनी

गुरुवार 21 मई 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in | वर्ष : 11 | अंक : 19 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

केरलम मंत्रिमंडल में विभागों का बंटवारा, सीएम के पास वित्त

चेन्नई। केरलम में सरकार के शपथ ग्रहण के 2 दिन बाद मंत्रियों के विभागों का बंटवारा हो गया। मुख्यमंत्री सतीशन वित्त, कानून, सामान्य प्रशासन और बंदरगाह समेत 35 विभाग संभालेंगे। गृह और विजिलेंस विभाग की जिम्मेदारी रमेश चेन्नीथाला को सौंपी गई है।

आप को डीरजिस्टर करने और केजरीवाल पर रोक की मांग

नईदिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी का पंजीकरण रद्द करने और अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक को चुनाव लड़ने से रोकने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यह याचिका गलतफहमी पर आधारित है। कोर्ट ने कहा कि अगर पार्टी के कुछ नेताओं के आचरण पर आपत्ति है, तो इससे पूरे राजनीतिक दल का पंजीकरण कैसे रद्द किया जा सकता है? कोर्ट ने यह भी पूछा कि इसके लिए कानून में कौन सा ठोस प्रावधान है, जिस पर याचिका आधारित है।

बेंगलुरु में 35 करोड़ की एमडी ड्रग्स बरामद, 8 गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 35 करोड़ रुपए कीमत की एमडीएमए ड्रग्स जब्त की है। इस मामले में तीन विदेशी नागरिकों समेत कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों के पास से 17.5 किलोग्राम एमडीएमए और दो कारें बरामद की गई हैं। यह ड्रग्स शहर के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई की जा रही थी।

पुणे में लिफ्ट में फंसने से 7 साल के बच्चे की मौत

पुणे। पुणे के सिंहगढ़ रोड स्थित रिद्धि सिद्धि अपार्टमेंट की लिफ्ट में फंसने से 7 साल के बच्चे की मौत हो गई। घटना 18 मई की है। मृतक के पिता शैलेश धूत ने बताया कि उनका बेटा शिवांश खेलने के लिए नीचे गया था। कुछ देर बाद बेटी घर लौटी, लेकिन शिवांश साथ नहीं था।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

मध्यप्रदेश में 1 से 15 जून तक तबादले हो सकेंगे

पति-पत्नी की पोस्टिंग एक जगह रखने पर विचार होगा; गंभीर बीमार कर्मचारियों को भी रियायत

राष्ट्रबाण | भोपाल | एजेंसी | rashtrabaan.in

डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की बैठक में राज्य सरकार की तबादला नीति-2026 को मंजूरी मिल गई है। प्रदेश में राज्य और जिला स्तर पर कर्मचारियों और अधिकारियों के 1 जून से 15 जून तक तबादले किए जाएंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने ड्राफ्ट तैयार कर मुख्यमंत्री सचिवालय भेजा था। सीएम और मंत्रियों की सहमति के बाद नीति को अंतिम रूप दिया गया।

कैबिनेट ने तय किया है कि पति-पत्नी की पदस्थापना एक स्थान पर रखने के मामलों में कार्यवाही की जाएगी। गंभीर बीमारी से ग्रस्त कर्मचारियों को भी स्थानांतरण में रियायत दी जाएगी। नोटशीट में ए प्लस कैटेगरी वाले मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी।

ऐसे मामले तबादला नीति से बाहर रखे गए

मोहन कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि सीएम की ए प्लस नोटशीट वाले तबादले 31 मई तक करने हैं। लंबित आवेदन निपटाए जाएंगे। इसे तबादला नीति में शामिल नहीं किया गया है। काश्यप ने बताया कि स्वयं के व्यय वाले तबादलों में दो स्थितियां शामिल नहीं होंगी। इन्हें तबादला नीति से बाहर रखा गया है। इसमें पहला, पति-पत्नी को एक स्थान पर किए जाने वाले तबादले और दूसरा, पति-पत्नी की बीमारी के मामलों में होने वाले तबादले को तबादला नीति से बाहर रखा गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग की तबादला नीति अलग रहेगी

नई नीति में स्वैच्छिक और प्रशासनिक तबादलों की सीमा अलग-अलग तय करने का प्रस्ताव है। अब तक दोनों को एक ही कोटे में शामिल किया जाता था, जिससे प्रशासनिक जरूरतों के अनुसार तबादलों में बाधा आती थी। अब तक कुल कर्मचारियों के 10 से 15 प्रतिशत तक तबादलों की अनुमति दी जाती थी। इसमें स्वैच्छिक और आपसी तबादले भी शामिल होते थे, जिससे जरूरी प्रशासनिक फेरबदल प्रभावित होता था। स्कूल शिक्षा विभाग की तबादला नीति हर वर्ष की तरह अलग रहेगी। जनजातीय कार्य, राजस्व और ऊर्जा विभाग भी अलग नीति जारी कर सकते हैं, लेकिन मूल ढांचे से अलग व्यवस्था नहीं कर सकेंगे। तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के तबादले जिला स्तर पर प्रभारी मंत्री और कलेक्टर के माध्यम से किए जाएंगे।

सभी ट्रांसफर ऑर्डर ऑनलाइन सिस्टम के जरिए होंगे

ऑनलाइन ट्रांसफर ऑर्डर सभी ट्रांसफर ऑर्डर ऑनलाइन सिस्टम के माध्यम से जारी किए जाएंगे। जिन विभागों में ऑनलाइन सिस्टम नहीं है, वहां ऑफलाइन आवेदन भी तबादलों के लिए लिए जा सकेंगे। अनुसूचित क्षेत्रों में खाली पद पहले भरे जाएंगे। इसके बाद गैर-अनुसूचित क्षेत्रों के रिक्त पद भरे जाएंगे। तबादले किसी जिले में तीन वर्ष पूरे करने के बाद ही होंगे, जिसमें वरिष्ठता का ध्यान रखा जाएगा। कर्मचारी संघ के नेताओं को नियुक्ति के बाद चार साल तक तबादलों से छूट दी जाएगी। चार साल से अधिक समय तक पद पर रहने पर प्रशासनिक जरूरत के आधार पर तबादले किए जाएंगे। तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा और विद्यालयों में कार्यरत अतिरिक्त शिक्षकों को अन्य संस्थानों में स्थानांतरित किया जाएगा। गंभीर रूप से बीमार या सेवानिवृत्ति के निकट शिक्षकों का स्थानांतरण नहीं किया जाएगा।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पास

ट्रम्प के 4 सांसदों ने उनके खिलाफ वोटिंग की; राष्ट्रपति के पास वीटो का अधिकार बाकी

राष्ट्रबाण | तेल अवीव | एजेंसी | rashtrabaan.in

अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अगर यह प्रस्ताव कानून बनता है, तो ट्रम्प सरकार को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी। अभी सीनेट में इस पर अंतिम वोटिंग होनी बाकी है। इसके बाद इसे रिपब्लिकन बहुमत वाली हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से मंजूरी लेनी होगी। हालांकि उसके बाद भी ट्रम्प इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। फिर उस वीटो को रद्द करने के लिए सीनेट और हाउस दोनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए होगा, जो फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है।

विपक्ष बोला- युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास हो

यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है। इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं। बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अभी जब युद्धविराम की बात हो रही है, तब ट्रम्प को संसद के सामने आकर अपनी रणनीति बतानी चाहिए। डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन ने कहा कि युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास है, सिर्फ राष्ट्रपति के पास नहीं। वहीं व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रम्प ने अमेरिकी सुरक्षा के लिए अपने अधिकारों के तहत कार्रवाई की है। अमेरिकी कानून के मुताबिक कोई भी राष्ट्रपति बिना संसद की मंजूरी के सिर्फ 60 दिन तक सैन्य कार्रवाई चला सकता है।

ईरान में 82 दिनों से इंटरनेट बंद

ईरान में पिछले 82 दिनों से इंटरनेट लगभग पूरी तरह बंद है। इंटरनेट पर नजर रखने वाली संस्था नेटब्लॉक्स ने कहा है कि देश अब भी दुनिया के इंटरनेट नेटवर्क से काफी हद तक कटा हुआ है। सरकार ने फरवरी के आखिर में अमेरिका-इजराइल युद्ध शुरू होने के बाद इंटरनेट बंद कर दिया था। इससे पहले जनवरी में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान भी कई दिनों तक इंटरनेट सेवाएं बंद रही थीं। इंटरनेट बंद होने की वजह से लोगों को बातचीत, कामकाज और ऑनलाइन सेवाओं में परेशानी हो रही है।

पाकिस्तानी गृह मंत्री तेहरान रवाना

पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी बातचीत के लिए तेहरान रवाना हो गए हैं। ईरान की समाचार एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, वह वहां ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। एक हफ्ते के भीतर यह मोहसिन नकवी की दूसरी तेहरान यात्रा है।

ईरान युद्ध से इजराइल की एयरलाइन को बड़ा नुकसान

इजराइल की राष्ट्रीय एयरलाइन 'एल अल' को ईरान जंग की वजह से भारी नुकसान हुआ है। कंपनी ने कहा कि युद्ध के दौरान इजराइल का हवाई क्षेत्र ज्यादातर समय बंद रहा, जिससे उड़ानें प्रभावित हुईं। जनवरी से मार्च के बीच कंपनी को 6.7 करोड़ डॉलर का घाटा हुआ। पिछले साल इसी समय कंपनी को 9.6 करोड़ डॉलर का फायदा हुआ था।

शरद पवार बोले- पीए देश के लिए काम कर रहे

जब बात देश के सम्मान की हो, तब राजनीतिक मतभेद बीच में नहीं लाना चाहिए

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को पीएम की तारीफ की। पवार ने कहा- भले ही हमारी राजनीतिक सोच पीएम नरेंद्र मोदी से अलग हो, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रधानमंत्री के रूप में वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी राष्ट्रीय हित में सामूहिक रूप से काम करने का अवसर मिले, तब सभी को साझा उद्देश्य के साथ आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन देश के सम्मान को लेकर मतभेद आड़े नहीं आने चाहिए। पवार पुणे स्थित लक्ष्मणराव गुट्टे रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से आयोजित पूर्व राज्य और जिला पदाधिकारियों के सम्मान समारोह में बोल रहे थे।

मोदी ने मेलोनी को मेलोडी टॉफी गिफ्ट की

इटली में एक ही कार में घूमे, 2000 साल पुराने कोलोजियम में सेल्फी ली

राष्ट्रबाण | रोम | एजेंसी | rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी गिफ्ट की। पीएम मेलोनी ने एक्स पर इस वीडियो को पोस्ट कर कहा- 'प्रधानमंत्री मोदी मेरे लिए गिफ्ट में बहुत-बहुत अच्छी टॉफी लेकर आए- मेलोडी। गिफ्ट के लिए थैंक्यू'

पीएम मोदी अपने पांच देशों के दौरे के आखिरी चरण में मंगलवार को इटली पहुंचे। वहां पीएम मेलोनी ने उनका स्वागत किया। दोनों रोम की सड़कों पर एक ही कार में घूमे और करीब 2000 साल पुराने ऐतिहासिक कोलोजियम का दौरा भी किया।

मोदी ने मेलोनी को मेलोडी टॉफी ही क्यों दी

मोदी ने मेलोनी को 'मेलोडी' टॉफी इसलिए गिफ्ट की थी क्योंकि सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं के नामों को जोड़कर मेलोडी शब्द काफी वायरल हो गया था। असल में मेलोनी और मोदी के नामों को जोड़कर लोगों ने मजाकिया और दोस्ताना अंदाज में मेलोडी कहना शुरू कर दिया था।

जी 20 और दूसरे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में दोनों नेताओं की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद यह शब्द इंटरनेट मीम और ट्रेंड बन गया। इसी को हल्के-फुल्के अंदाज में लेते हुए मोदी ने मेलोनी को भारत की मशहूर टॉफी गिफ्ट की।

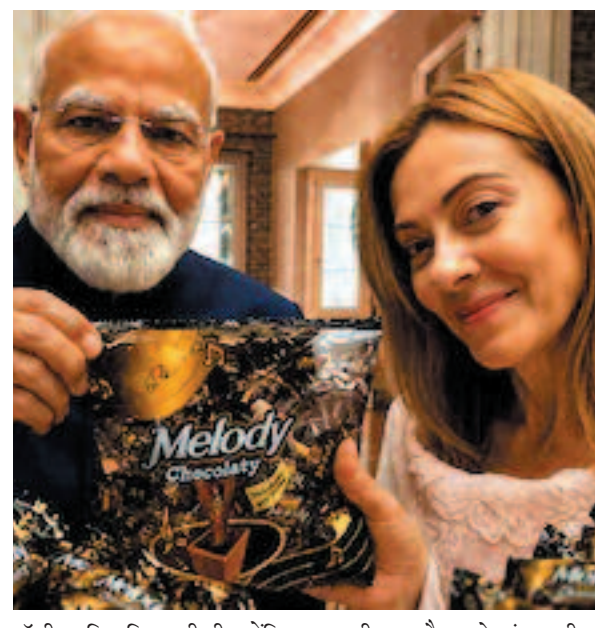

आरएसएस के लोगों से कहें कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री गद्दार

राहुल ने कहा- देश में बिजनेस बंद हो रहे, मोदी मेलोनी को टॉफी खिला रहे

राष्ट्रबाण | रायबरेली | एजेंसी | rashtrabaan.in

राहुल गांधी ने रायबरेली में बुधवार को कहा कि जब आरएसएस के कार्यकर्ता आपके सामने आएंगे तो उनसे खुलकर कहिएगा कि आपका प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और संगठन गद्दार है। आपने हिंदुस्तान को बेचने का काम किया है। कांग्रेस सांसद ने कहा, अब आर्थिक तूफान आ रहा है। मोदी आपको बचा नहीं पाएंगे। याद रखना, जैसे कोविड और नोटबंदी के समय रोए थे, कहा था- मुझे फांसी पर लटका देना। वैसे ही टीवी पर फिर आएंगे। हाथ जोड़ेंगे। रोएंगे। कहेंगे- मेरी गलती नहीं है।

इसके बाद राहुल अमेठी पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा- इटली की पीएम मेलोनी को नरेंद्र मोदी टॉफी खिला रहे हैं। रील बनाई जा रही हैं। ये बीजेपी वाले मेरा मजाक उड़ाते हैं। जो आर्थिक दीवार उन्हें खड़ी करनी थी, नहीं की। मजाक चल रहा है। देश में बिजनेस बंद हो रहे हैं। राहुल दो दिन के दौरे पर 19 मई (मंगलवार) को रायबरेली पहुंचे थे। बुधवार दोपहर 2 बजे रायबरेली से अमेठी आए। यहां संजय गांधी अस्पताल में मरीजों से मुलाकात की। इसके बाद दिल्ली रवाना हो गए। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद राहुल 6 बार रायबरेली आ चुके हैं। यह उनका 7वां दौरा है। इससे पहले, वे 19 जनवरी 2026 को रायबरेली आए थे।

कहा- आप भारतीय राजनीति के राहु

राहुल के गद्दार वाले बयान पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पलटवार किया। उन्होंने कहा- यह उनकी अराजकतावादी मानसिकता को दिखाता है। मैं मानता हूं कि आप भारतीय राजनीति के राहु हैं, जो देश की राजनीति को दूषित करते हैं। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा- राहुल गांधी रिजेक्टेड माल हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा- राहुल गांधी सत्ता न मिलने के कारण निराशा में हैं। वे पीएम मोदी को गाली नहीं दे रहे हैं, बल्कि देश को गाली दे रहे हैं।

राहुल ने एक्स पर लिखा- मोदी इटली में टॉफी बांट रहे

राहुल ने लिखा- आर्थिक तूफान सिर पर है और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट रहे हैं। किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर और छोटे व्यापारी सब रो रहे हैं। पीएम हंसकर रील बना रहे हैं और बीजेपी वाले ताली बजा रहे हैं।

देशभर में 15 लाख दवा दुकानें बंद

ऑनलाइन बिक्री का विरोध कर रहे; एमपी, चंडीगढ़, बिहार में लोग परेशान दिखे

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और बड़ी कंपनियों के कॉम्पिटीशन के विरोध में बुधवार को देशभर के 15 लाख से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद हैं। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) ने एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया है।

बंद का मामूली असर दिख रहा है। पटना के आईजीआईएमएस के बाहर मरीज और उनके परिवार वाले दवाओं के लिए परेशान दिखे। वहीं, चंडीगढ़ के पीजीआई में इलाज कराने आए कश्मीर के एक परिवार को भी दवाई नहीं मिल सकी। उसने कहा, 'दवाएं नहीं मिल रही हैं।' हालांकि, एआईओसीडी ने कहा था कि बंद के दौरान भी अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे। इमरजेंसी दवाओं की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी।

बिना नियमों के चल रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मोहल्ले की छोटी दुकानों को नुकसान हो रहा है और लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। इसे रोका जाए। इस पूरे विवाद से जुड़े सरकार के दो नियम जीएसआर 220(ई) और जीएसआर817(ई) हैं। संगठन के मुताबिक इन नियमों की कमियों का फायदा उठाकर ही ऑनलाइन दवा कंपनियां ऐसा कर रही हैं।

अरब सागर में मानसून कमजोर करने वाला सिस्टम बना; अगले 7 दिन 10 राज्यों में गर्म हवाएं चलेंगी

दक्षिण भारत में कम बारिश का अनुमान

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

देश में गर्मी अपने पीक पर है। इस बीच मौसम एजेंसी स्काईमेट ने अरब सागर के ऊपर नया सिस्टम बनने की जानकारी दी है, जो मानसूनी हवाओं को कमजोर कर सकता है। इससे केरल समेत दक्षिण भारत में बारिश कम होने की आशंका है।

एजेंसी ने यह भी कहा है कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात समेत देश के 10 राज्यों में अगले एक हफ्ते तक सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी।

एजेंसी के मुताबिक इस दौरान इन राज्यों में अधिकतम तापमान 45डिग्री या उससे ज्यादा रहेगा। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कमजोर होने और कोई एक्टिव वेदर सिस्टम नहीं होने की वजह से बारिश की कोई संभावना नहीं है। मंगलवार को मप्र, यूपी, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और महाराष्ट्र के 22 शहरों में तामपान 45डिग्री से ज्यादा रहा। यूपी के 22 जिलों में पारा 40डिग्री या इससे ऊपर दर्ज हुआ। यूपी का बांदा 48.2 डिग्री के साथ मंगलवार को लगातार तीसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। यहां बीते दो दिन भी तापमान 46डिग्री से ज्यादा रहा। बांदा में 15 मई 2022 को तापमान 49डिग्री का रिकॉर्ड बना था।

पंजाब-हरियाणा में रिकॉर्ड गर्मी

पंजाब के फरीदकोट में तापमान 47.3डिग्री पहुंच गया। हरियाणा के रोहतक में 46.9डिग्री और नारनौल में 45डिग्री तापमान दर्ज हुआ। चंडीगढ़ में पारा 43.2डिग्री तक पहुंच गया, जो सामान्य से 4डिग्री ज्यादा है।

शहरों में फील टेंपरेचर 4डिग्री तक अधिक

वास्तविक तापमान और फील टेंपरेचर में हर शहर में औसत 2डिग्री से 4डिग्री तक का अंतर है। क्लाइमेट एक्सपर्ट के मुताबिक, मौसम विभाग जो तापमान बताता है, लोगों को उससे कहीं ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है। इसका सबसे बड़ा कारण तेजी से होता शहरीकरण है। इससे तापमान में उछाल आ रहा है। फील फैक्टर तेजी से बढ़ता जा रहा है।

असफलता के बाद इस तरह बना सकते हैं राहें आसान

कोचिंग का हब माना जाने वाला कोटा लगातार सुर्खियों में है। हालांकि इंजीनियरिंग- मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हजारों बच्चों की कामयाबी को लेकर ये सुर्खियां होतीं, तो इसमें हैरत की बात नहीं होती। दरअसल, इन दिनों नकारात्मक वजहों से बनने वाली ये सुर्खियां विद्यार्थियों से लेकर अभिभावकों और शिक्षकों हर किसी को गंभीर चिंतन के लिए विवश कर रही हैं। विद्यार्थी जिस तरह पढ़ाई और परिणाम में बेहतर प्रदर्शन न कर पाने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं, वह हर किसी को मर्माहत करने वाला है। इस तरह की घटनाओं के पीछे कई सवाल हैं, जिनका समाधान खोजना बेहद जरूरी लगता है। आखिर क्या कारण है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनने की तैयारी में लगे ये विद्यार्थी अचानक आत्मघाती कदम उठा बैठते हैं? क्यों वे असमय ही अपने सुनहरे सपनों का गला घोंट देते हैं?

सपने पूरे करने का दबाव

ऐसी घटनाओं के पीछे जो सबसे बड़ा कारण नजर आता है, वह है माता-पिता की अपनी संतान से अव्यवहारिक अपेक्षाएं। दरअसल, बच्चे के बड़े होने के साथ-साथ पैरेंट्स के सपने भी पलने और बड़े होने लगते हैं। कई बार माता-पिता के अपने सपने अधूरे होते हैं, जिन्हें वे अपनी संतान के जरिए पूरा करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा, वे अपने मित्रों, रिश्तेदारों, पास-पड़ोस, शहर या गांव के सफल लोगों से भी प्रभावित होकर अपनी संतान को उनके जैसा बनाना चाहते हैं। विद्यार्थियों का इंजीनियरिंग या मेडिकल की पढ़ाई की ओर भागना भी इसी बात का सूचक है। ज्यादातर माता-पिता को यही लगता है कि इंजीनियर या डॉक्टर बनकर ही उनका बच्चा सफल करियर की ओर कदम बढ़ा सकता है। इस सपने को पूरा करने के लिए वे अपने बच्चे की रुचि/ पसंद को अनदेखा कर देते हैं और उस पर दबाव डालते हैं कि वह उनकी पसंद के अनुसार ही करियर की राह पर चले ।इससे विद्यार्थियों पर दबाव बढ़ जाता है।

उत्साह में कमी तो नहीं

हो सकता है कि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल के लिए बिल्कुल फिट हों और उसमें आपका मन भी लग रहा हो लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो आप अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर आपने अपनी इच्छानुसार भी कोई फील्ड चुन ली है और उसमें एडमिशन ले लिया है मगर आप खुद को अनमना महसूस कर रहे हैं, किसी काम को ठीक से नहीं कर पा रहे हैं या अपने में उत्साह की कमी पा रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आप जिस राह पर चल रहे हैं, उसमें आपको कोई परेशानी है। ऐसे में आपको बेहिचक अपने माता-पिता से बात कर लेनी चाहिए।

खुली हैं तरक्की की राहें

आज के समय में सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना ही कामयाबी नहीं है। अब दर्जनों ऐसे क्षेत्र सामने आ गए हैं, जिनमें पहचान, पैसा और प्रसिद्धि पाई जा सकती है। यह बात विद्यार्थियों को समझनी भी होगी और अपने अभिभावकों को समझानी भी होगी। विद्यार्थी अगर अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़े, तो ही उसका भविष्य सुखद बन सकता है और इसी में अभिभावकों की खुशी भी छुपी है।

पैरेंट्स को करें राजी

आपमें से बहुत-से विद्यार्थियों ने इस साल 12वीं की परीक्षा दी होगी। अगर आप अपनी पसंद को समझते हैं, तो अपनी पसंद से अपने माता-पिता को अवगत कराएं। उन्हें कनविंस करें। हो सकता है कि पैरेंट्स आपको कम समझदार या परिपक्व समझकर आपकी बातों को तवज्जो न दें, लेकिन अगर आपको अच्छी तरह पता है कि आप किस फील्ड में जोरदार प्रदर्शन कर सकेंगे, तो इस बारे में डांट या नाराजगी की परवाह किए बिना पैरेंट्स के सामने अपनी बात रखने का प्रयास करें। उन्हें यह भरोसा दिलाएं कि अगर वे आपको आपकी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करते हैं, तो आप उन्हें कतई निराश नहीं करें। बस, वे आपको एक मौका तो दें।

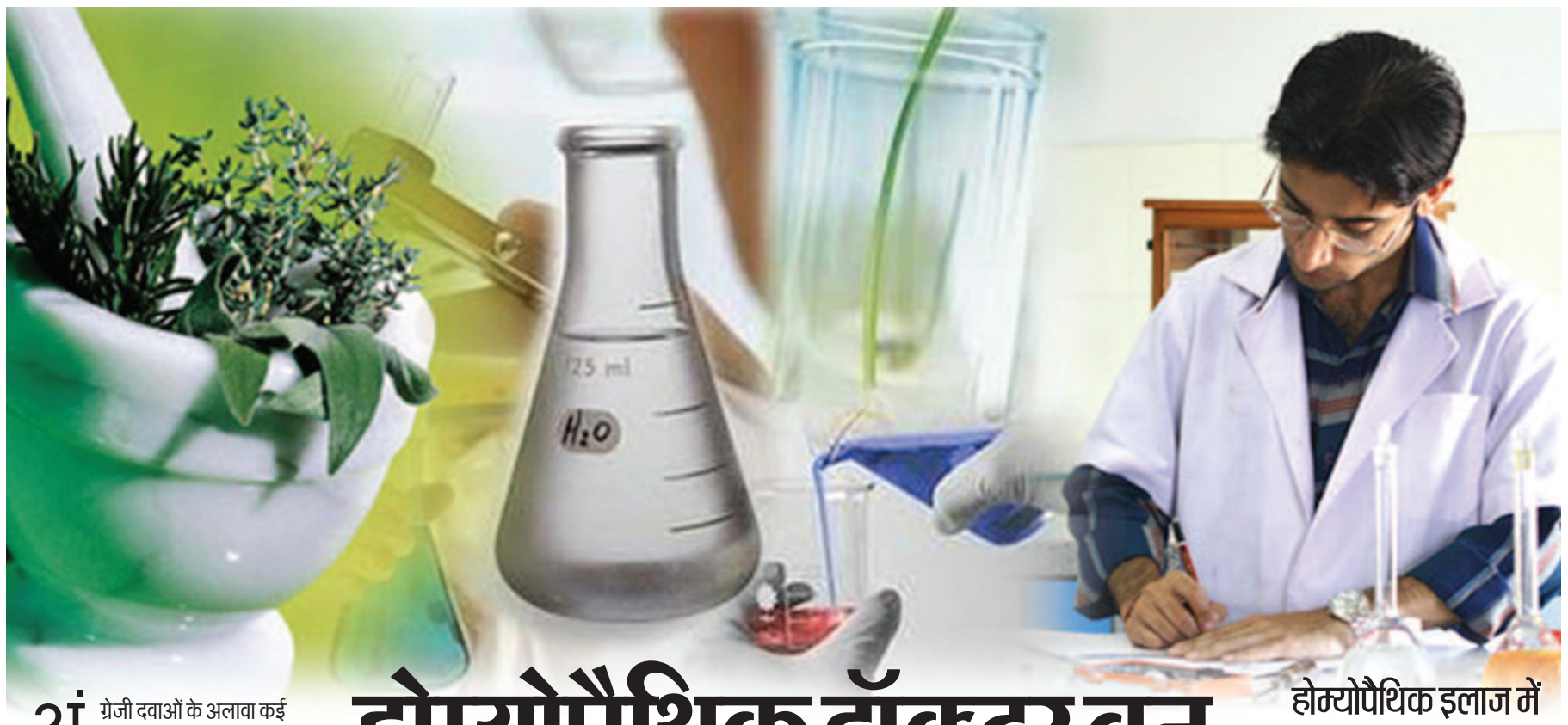

होम्योपैथिक डॉक्टर बन दें करियर को नई उड़ान

अंग्रेजी दवाओं के अलावा कई लोग होम्योपैथिक दवाओं पर भी भरोसा जताते हैं। किसी भी बीमारी व समस्या को ठीक करने के लिए होम्योपैथिक डॉक्टर प्राकृतिक जड़ी बूटियों का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि भारत समेत दुनिया भर में होम्योपैथिक डॉक्टरों की भी मांग बढ़ती जा रही है। वहीं छात्रों में भी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का इंट्रेस्ट बढ़ रहा है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान पूरी दुनिया ने डॉक्टरों की सेवाभाव को देखा है। ऐसे में जो छात्र होम्योपैथिक डॉक्टर बनने का सपना देख रहे हैं। यह आर्टिकल उन्हीं के लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की सारी पात्रताओं के बारे में जानकारी देने के अलावा यह भी बताने जा रहे हैं कि इस कोर्स को करने के बाद आप इस क्षेत्र में किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

क्वालिफिकेशन

- होम्योपैथी कोर्स में प्रवेश पाने की चाहत रखने वाले छात्रों को साइंस साइड से 12वीं पास होना अनिवार्य है।
- 12वीं कक्षा में छात्रों के कम से कम अंक 50 फीसदी होने चाहिए। वहीं आरक्षित श्रेणियों के कैंडिडेट के 45% अंक होना जरूरी है।
- छात्र की कम से कम उम्र 17 साल होनी चाहिए।
- छात्र का नीट क्वालिफाई होना जरूरी है।

होम्योपैथी पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए तमाम संस्थान परीक्षाओं का आयोजन करते हैं।

प्रवेश परीक्षाएं

इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
केरल इंजीनियरिंग, कृषि और चिकित्सा
भारती विद्यापीठ कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
पंजाब यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट
राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा
इंजीनियरिंग, कृषि और मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (तेलंगाना और आंध्र प्रदेश)

नौकरी

होम्योपैथिक कोर्स पूरा होने के बाद छात्र सरकारी या प्राइवेट स्तर पर अपनी नौकरी की शुरूआत कर सकते हैं। इसके अलावा वह अपना क्लीनिक भी खोल सकते हैं। होम्योपैथिक क्षेत्र में आप यह नौकरी भी कर सकते हैं।

शिक्षण कार्य

- फार्मेसिस्ट
- बीमा अधिकारी
- होम्योपैथिक चिकित्सक
- अनुसंधान पेशेवर
- होम्योपैथिक सलाहकार
- विपणन विशेषज्ञ

सैलरी

- जॉब प्रोफाइल- औसत वेतन
- फार्मासिस्ट- 3.5 लाख
- निजी चिकित्सक- 5.5 लाख
- निजी स्वास्थ्य विशेषज्ञ – 6 लाख
- सामान्य चिकित्सक – 6 लाख
- डॉक्टर- 7 लाख

यह कोर्स कर सकते हैं आप

सर्टिफिकेट कोर्स
बता दें कि होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए तमाम तरह के सर्टिफिकेट कोर्स करवाए जाते हैं। इस सर्टिफिकेट कोर्सेज की अवधि 3 से 6 महीने की होती है।

डिप्लोमा कोर्स
होम्योपैथी में कई प्रकार के अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कराए जाते हैं। इन कोर्स में आप डिप्लोमा इन इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन और डिप्लोमा इन होम्योपैथी एंड मेडिसिन आदि कोर्स कर सकते हैं। इन कोर्सेज की अवधि 1-2 वर्ष की होती है।

UG कोर्स
स्नातक स्तर पर होम्योपैथिक कोर्स करने के लिए छात्र क्काास्न्र-और ख्र्थस्न्र-आदि पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 3 से 5 साल की होती है।

टॉप कॉलेज और फीस

- पटना मेडिकल कॉलेज, पटना- फीस 63,000
- महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, नासिक- फीस 11,145
- भारती विद्यापीठ होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, पुणे- फीस 75,000
- लॉर्ड महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, लुधियाना- फीस 80,000
- नेहरू होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, नई दिल्ली- फीस 3,120
- जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय, उदयपुर- फीस 55,000

PG कोर्स
स्नातकोत्तर स्तर पर छात्र M.D. (होम-फार्मेसी), M.D. (होम-प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन), M.D. (होम्योपैथिक) (मटेरिया मेडिका) आदि कोर्स कर सकते हैं। यह कोर्स 3 साल की अवधि के होते हैं।

BHMS कोर्स सिलेबस
BHMS यानी की बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी कोर्स में बायोलॉजी, शरीर विज्ञान और चिकित्सा की तमाम शाखाओम पर बुनियादी और उन्नत ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने वाले कई विषय पढ़ाए जाते हैं। वहीं डिग्री प्राप्त करने से पहले छात्र को 1 साल की इंटर्नशिप पूरी करनी होती है।

सिलेबस

- होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका और चिकित्सीय
- बायोकैमिस्ट्री सहित फिजियोलॉजी
- पैथोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी
- फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- शरीर रचना
- होम्योपैथिक फार्मेसी
- केस टेकिंग और रिपर्टरी
- सामुदायिक चिकित्सा
- ऑर्गन ऑफ मेडिसिन, प्रिंसिपल्स ऑफ होम्योपैथिक फिलॉसफी एंड साइकोलॉजी
- ऑपरेशन
- चिकित्सा का अभ्यास

बता दें कि भारत में केवल 2 कॉलेज ऐसे हैं, जो एमडी होम्योपैथी सिलेबस प्रदान करते हैं। इस सिलेबस में 7 विशेषज्ञताएं शामिल हैं।

- बच्चों की दवा करने की विद्या
- होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका
- प्रदर्शनों की सूची
- होम्योपैथिक दर्शन के साथ ऑर्गन ऑफ मेडिसिन
- होम्योपैथिक फार्मेसी
- मनश्चिकित्सा
- चिकित्सा का अभ्यास

करियर

होम्योपैथी के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। क्योंकि होम्योपैथिक दवाइयों का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। इसलिए बहुत सारे लोग होम्योपैथिक इलाज में भरोसा जताते हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक पर होम्योपैथिक दवाएं समान रूप से असर करती हैं। होम्योपैथिक दवाइयों का इस्तेमाल कई तरह की बीमारियों में किया जाता है। जिनमें से माइग्रेन, अवसाद, क्रोनिक थकान सिंड्रोम, रूमेटोइड गठिया, एलर्जी, खांसी और सर्दी, चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम और प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम आदि का इलाज शामिल है। छात्र इस कोर्स की डिग्री व डिप्लोमा प्राप्त करने के बाद सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में काम कर अपने करियर को शुरू कर सकते हैं। नीचे दिए गए क्षेत्रों की लिस्ट में आप होम्योपैथिक पेशेवर के तौर पर काम कर सकते हैं।

- केंद्रीय, राज्य व स्थानीय सरकारी व प्राइवेट अस्पताल
- नर्सिंग होम, क्लीनिक और स्वास्थ्य विभाग
- दवा निर्माण इकाइयां (सरकारी, निजी, स्वायत्त, सहकारी क्षेत्र)
- औषधि नियंत्रण संगठन (राज्य और केंद्र सरकार)
- होम्योपैथिक दवा कंपनियां
- प्रबंधन और प्रशासन (सरकारी और निजी)
- चिकित्सा पर्यटन
- होम्योपैथिक विशेषता केंद्र
- नैदानिक परीक्षण (फार्मास्यूटिकल्स)
- स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में तृतीय-पक्ष प्रशासक
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम)
- राष्ट्रीय आयुष मिशन आदि में आप बतौर होम्योपैथिक पेशेवर के रूप में काम कर सकते हैं।
- वहीं जो छात्र पढ़ाने में इंट्रेस्ट रखते हैं, वह मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर के रूप में सेवा दे सकते हैं।

होम्योपैथिक इलाज में दवाओं का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग होम्योपैथिक उपचार पर भरोसा करते हैं। अगर आप भी होम्योपैथिक डॉक्टर बनने की चाहत रखते हैं। तो आप इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

वीसा इंटरव्यू में दें सही जानकारी बरतें ईमानदारी

वीसा इंटरव्यू में आपको हमेशा ईमानदारी बरतनी चाहिए। अपने परिवार वालों से मिलने जाना अमेरिका जाने का पूरी तरह वैध कारण बनता है। यूएस वीसा के लिए बड़ी संख्या में लोग आवेदन करते हैं और इतनी बड़ी संख्या से निपटने के लिए आम तौर पर वीसा इंटरव्यू संक्षिप्त ही होते हैं। अक्सर ये महज 2 से 3 मिनट के ही होते हैं। चूंकि इंटरव्यू तेज गति से चलेगा, इसलिए बेहतर है कि आप ईमानदारी से और सीधे-सीधे जवाब दें।

इंटरव्यूइंग ऑफिसर कम समय में यह तय करने की कोशिश कर रहा होता है कि आप प्रामाणिक आवेदक हैं या नहीं। यदि ऐसा प्रतीत हुआ कि आप कोई जानकारी छुपा रहे हैं या प्रश्नों को टाल रहे हैं, तो ऑफिसर को आपकी प्रामाणिकता पर शक हो सकता है। इंटरव्यूइंग ऑफिसर यह भी पूछ सकता है कि आप क्या काम करते हैं, सो अपनी जॉब/ बिजनेस और जीवन में आपकी वर्तमान स्थिति के बारे में बताने के लिए भी तैयार रहें। चूंकि इंटरव्यू तेजी से चलता है, सो यह जरूरी है कि आप प्रश्नों के त्वरित उत्तर दें और त्वरित उत्तर देने का सबसे आसान तरीका यही है कि आप सच बोलें। वीसा इंटरव्यू में आम तौर पर दस्तावेज नहीं देखे जाते। मगर आप चाहें, तो ऐसे दस्तावेज ले जा सकते हैं, जो जीवन में आपकी वर्तमान स्थिति और आपकी यात्रा के उद्देश्य से जुड़े हों। मसलन, यदि आपकी बेटी एच1बी वर्कर वीसा पर अमेरिका में है, तो आप उसके पासपोर्ट व वीसा की कॉपी ला सकते हैं, जिससे आप ऑफिसर को बता सकें कि आपका उससे क्या रिश्ता है और यह कि वह वैध रूप से अमेरिका में काम कर रही है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 21 मई 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

मौत के साए में गुजरी बाजार

बालाघाट में दो बड़े हादसों के बाद भी सोया प्रशासन, क्या किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार?

नगर पालिका के धृतराष्ट्र होने की गवाही देती तस्वीरें

- सीएमओ साहब! 'समझाइश' से नहीं, कार्रवाई से बचेगी जान
- हादसे के मुहाने पर खड़ा है पूरा बाजार, पालिका और बिजली विभाग की अनदेखी पर उठे सवाल

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

एक ओर बालाघाट जिला भीषण गर्मी की चपेट में है, दूसरी ओर बढ़ते तापमान के कारण बिजली व्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। हाल के दिनों में बालाघाट शहर में ट्रांसफार्मर में आग लगने की दो गंभीर घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिसने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब खतरे की घंटी दो बार बज चुकी है, तब भी जिम्मेदार विभाग और अधिकारी आखिर किस गहरी नींद में सोए हुए हैं?

हाल ही में हनुमान चौक में ट्रांसफार्मर में आग लगने की घटना सामने आई थी। इसके बाद दिनांक 18 मई की रात लगभग 11:40 बजे वार्ड नंबर 10 स्थित अंजुमन शादी हॉल के पास ट्रांसफार्मर में अचानक भीषण आग भड़क उठी थी। आग इतनी विकराल थी कि कुछ ही मिनटों में ऊंची-ऊंची लपटें आसमान तक पहुंचने लगी थीं। अचानक हुई इस घटना से आसपास के रहवासियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग भयभीत होकर अपने घरों से बाहर निकल आए थे। स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि यदि समय पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर नहीं पहुंचती तो एक बड़ा हादसा घट सकता था। फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने जोखिम उठाते हुए आग पर नियंत्रण पाया और संभावित बड़ी जनहानि को टाल दिया। लेकिन सवाल यह है कि जब लगातार घटनाएं सामने आ रही हैं तो प्रशासन और संबंधित विभागों ने सुरक्षा को लेकर अब तक क्या कदम उठाए?

बालाघाट नगरपालिका को अब नींद से जागना होगा

भारती ठाकुर, अध्यक्ष नगरपालिका : जोखिम में जनता की जान, बेखबर नेता महान।

सूर्यप्रकाश ऊके, सीएमओ नगर पालिका बालाघाट : लापरवाही पर आंख में पट्टी बांध बने गांधारी, नगर पालिका के अधिकारी।

नगर पालिका और बिजली विभाग के अधिकारी कहां सो रहे हैं? क्या उन्हें इस बाजार की हकीकत की खबर नहीं है? या फिर वे जानबूझकर आंखें मूंदे बैठे हैं क्योंकि ठेकेदार का पैसा उनके जेब में जाता है? यह सवाल पूरे बालाघाट की जनता पूछ रही है। यह मामला केवल एक बाजार का नहीं है। यह पूरे बालाघाट शहर की सुरक्षा का सवाल है। गर्मी के मौसम में बिजली व्यवस्था चरमरा रही है। पुराने ट्रांसफार्मर बदले जा रहे हैं या नहीं? रखरखाव हो रहा है या पैसे बचाए जा रहे हैं? इन सवालों के जवाब मांगने का अधिकार जनता को है। बालाघाट प्रशासन को अब नींद से जगना होगा। गुजरी बाजार से ट्रांसफार्मरों के नीचे की दुकानें तुरंत हटाई जाएं। ठेकेदार को जिम्मेदार ठहराया जाए और उसकी ठेकेदारी रद्द की जाए। बिजली विभाग को सभी ट्रांसफार्मरों का तत्काल निरीक्षण कर रखरखाव सुनिश्चित करना चाहिए। आज आवश्यकता है कि नगर पालिका, विद्युत विभाग तत्काल संयुक्त कार्रवाई करें। ट्रांसफार्मरों के आसपास सुरक्षा घेरा बनाया जाए, वहां दुकान लगाने पर प्रतिबंध लगाया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है अगर भविष्य में गुजरी बाजार में ट्रांसफार्मर से कोई बड़ा हादसा होता है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? प्रशासन, नगर पालिका, बाजार ठेकेदार या फिर वह व्यवस्था जो हर बार हादसे के बाद जागती है?

हादसे के बाद भी बिजली ट्रांसफार्मर के नीचे सब्जी की दुकान का संचालन

शहर के गुजरी बाजार का दृश्य प्रशासनिक लापरवाही की पोल खोलने के लिए काफी है। यहां जगह-जगह बिजली के ट्रांसफार्मरों के ठीक नीचे सब्जी दुकानों का संचालन किया जा रहा है। बाजार में हर दिन बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने पहुंचते हैं। महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे घंटों वहां मौजूद रहते हैं, लेकिन सुरक्षा के नाम पर कोई व्यवस्था नजर नहीं आती। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि ट्रांसफार्मर के नीचे ही सब्जी विक्रेता अपनी दुकानें लगाए बैठे हैं। यदि किसी कारणवश अचानक ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग या आग लग जाती है तो वहां मौजूद दर्जनों लोग कुछ ही सेकंड में इसकी चपेट में आ सकते हैं। यह स्थिति किसी छोटे खतरे की नहीं बल्कि सीधे-सीधे मौत को दावत देने जैसी प्रतीत होती है।

नगरपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल हादसे का कौन होगा जिम्मेदार?

सबसे गंभीर बात यह है कि इस पूरे मामले पर नगर पालिका प्रशासन और बाजार ठेकेदार की यह लापरवाही जानबूझकर की जा रही लगती है। ठेकेदार मलिक को दुकान लगाने वाले लोगों को समझाकर मना करना चाहिए था। लेकिन वह रसीद काटने और पैसे वसूलने में लगा हुआ है। एक-एक दुकान से रोजाना फीस वसूलता है, लेकिन सुरक्षा का जिम्मा लेने से इनकार। नगर पालिका के अधिकारी कहां हैं? क्या वे बाजार का निरीक्षण करने कभी निकलते भी हैं? या फिर ठेकेदार से मिलीभगत का मुनाफा बांट रहे हैं?ट्रांसफार्मर आग लगने की घटनाएं कोई नई नहीं हैं। देशभर में हर साल सैकड़ों ऐसी घटनाएं होती हैं, जिनमें दर्जनों लोग घायल या मारे जाते हैं। बालाघाट जैसे छोटे शहर में जहां अग्निशमन सेवाएं सीमित हैं, वहां यह जोखिम और बढ़ जाता है। गुजरी बाजार घनी आबादी वाला इलाका है। यहां ट्रांसफार्मर फटने पर न केवल आग फैलेगी, बल्कि ब्लास्ट भी हो सकता है। आसपास के मकान, दुकानें और लोग चपेट में आ जाएंगे। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की जान सबसे ज्यादा खतरे में है। फिर भी जिम्मेदार अधिकारी चुपचाप बैठे हैं।

इनका कहना है

गुजरी चौक में दुकान संचालन करने वाले लोगों को ट्रांसफार्मर के नीचे दुकान न लगाने के लिए समझाइश दी जा चुकी है जल्द से जल्द दुकानों को हटाया जाएगा ।

-सूर्यप्रकाश उईके,
बालाघाट नगरपालिका सीएमओ

बहुजन मुक्ति पार्टी ने चूल्हा जलाकर किया प्रदर्शन

महंगाई के विरोध में कलेक्ट्रेट गेट पर बनाई चाय-रोटी; 31 मई को 'दे धक्का' आंदोलन

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बहुजन मुक्ति पार्टी ने बुधवार को रसोई गैस की बढ़ती कीमतों और महंगाई के विरोध में बालाघाट कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट गेट पर ही लकड़ी का चूल्हा जलाकर चाय और रोटी बनाई। इस 'चूल्हा जलाओ आंदोलन' के माध्यम से पार्टी ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और पेट्रोलियम पदार्थों के बढ़ते दामों पर आक्रोश व्यक्त किया।

महंगाई और ईवीएम के खिलाफ उठाई आवाज

पार्टी ने केवल रसोई गैस ही नहीं, बल्कि पेट्रोल-डीजल की महंगाई, बेरोजगारी और स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं ने ईवीएम मशीन पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बढ़ती कीमतों के कारण गरीब परिवार वापस पुराने दौर में लौटने को मजबूर हैं।

सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ जनजागरण

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष करनसिंह नगपुरे ने बताया कि यह आंदोलन भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिए है। उन्होंने बताया कि चूल्हा जलाकर वे यह दिखाना चाहते हैं कि गैस सिलेंडर आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चुका है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि जब तक कीमतों में कमी नहीं आती, उनका विरोध जारी रहेगा।

31 मई को होगा 'दे धक्का आंदोलन'

बहुजन मुक्ति पार्टी ने अपने चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा भी साझा की। नगपुरे ने घोषणा की कि 31 मई को आंदोलन के तीसरे चरण में 'दे धक्का आंदोलन' आयोजित किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने महंगाई और अन्य प्रमुख मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले दिनों में प्रदर्शन को और उग्र बनाया जाएगा।

बहन को परेशान करने पर जीजा की हत्या

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के कारबोह डैम रिंग रोड के पास मिले युवक के शव मामले में का खुलासा बुधवार को पुलिस ने किया।देहात थाना पुलिस के अनुसार मृतक के साले ने ही उसकी हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी का कहना है कि उसकी बहन को शादी के बाद से लगातार परेशान किया जा रहा था, जिससे नाराज होकर उसने जीजा की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, 19 मई 2026 को कारबोह डैम रिंग रोड स्थित एक बबूल के पेड़ के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला था। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। शव की हालत देखकर मामला हत्या का लग रहा था, जिसके बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 103(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान मृतक की पहचान गोलू उर्फ शरद कुमार बैस (39) निवासी वार्ड नंबर-13, बंधा मोहल्ला, परासिया के रूप में हुई।

बालाघाट में ऑनलाइन दवा बिक्री विरोध में सभी मेडिकल बंद

संचालक बोले- फर्जी पर्चों के आधार पर नशीली दवाओं की सप्लाई हो रही

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बालाघाट जिले में शुक्रवार को ऑनलाइन दवा बिक्री (ई-फार्मेसी) के विरोध में दवा व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। बालाघाट मेडिकल एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर 24 घंटे के इस बंद के दौरान जिले की सभी 1300 दवा दुकानें पूरी तरह बंद रहीं, जिससे व्यापारिक गतिविधियां ठप रहीं।

केमिस्टों का आरोप है कि केंद्र सरकार ई-फार्मेसी को बढ़ावा देकर जनता की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रही है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रियंक वर्मा ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना किसी सही जांच-पड़ताल के दवाएं बेच रहे हैं। एक ही पर्ची पर बार-बार दवाइयां देना और फर्जी पर्चों के आधार पर नशीली दवाओं की सप्लाई करना समाज के लिए गंभीर खतरा है। केमिस्टों ने धरना देकर प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा और ई-फार्मेसी पर तुरंत रोक लगाने की मांग की।

दवा विक्रेताओं का कहना है कि कोरोना काल में ऑनलाइन दवा बिक्री की छूट दी गई थी, जिसे अब बंद कर देना चाहिए। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट लंबे समय से इसके खिलाफ आवाज उठा रहा है, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। इससे न केवल केमिस्टों के व्यापार पर असर पड़ रहा है।

सरकारी केंद्रों पर रही दवाओं की व्यवस्था

हड़ताल के दौरान मरीजों को परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए थे। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अनुसार, जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल, संजीवनी क्लीनिक और जन औषधि केंद्रों पर दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखा गया था। आपातकालीन स्थिति के लिए कुछ दवा दुकानदारों के नंबर भी जारी किए गए थे। विभाग का दावा है कि बंद के दौरान दवाओं की आपूर्ति को लेकर जिले में कोई बड़ी परेशानी सामने नहीं आई।

बालाघाट में पेड़ से गिरे बुजुर्ग की मौत

मधुमक्खी का छत्ता तोड़ने चढ़े थे, मुंह में आई थी गंभीर चोट

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बालाघाट के लामता थाना क्षेत्र अंतर्गत भालेवाड़ा पंचायत के डोंगरबोड़ी निवासी 52 वर्षीय अधरसिंह परते की बुधवार को मौत हो गई। उनका शव दक्षिण सामान्य वनक्षेत्र के चाचेरी वनक्षेत्र के चिचोली बीट कटंगनाला के नहर पुल के पास से बरामद किया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद लामता पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव को वनक्षेत्र से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए लामता अस्पताल भिजवाया।

अधरसिंह के साथ गए शिवप्रसाद उईके ने बताया कि अधरसिंह मधुमक्खी का छत्ता तोड़ने पेड़ पर चढ़े थे। इसी दौरान वे पेड़ से गिर गए, जिससे उनके मुंह पर चोट आई। उन्हें जंगल से बाहर लाने का प्रयास किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

पुलिस को घटना की सूचना वन विभाग चाचेरी में पदस्थ सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी गजेंद्र बिसेन से मिली थी। सूचना मिलते ही लामता थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह बैस, बखतसिंह परते, आरक्षक सतेंद्र बघेल और केशव सनोडिया घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों को सूचित किया। अधरसिंह के भाई मनोहर परते ने बताया कि उन्हें भाई के शव मिलने की जानकारी मिली थी। घर वालों से पूछने पर पता चला कि अधरसिंह मंगलवार को पत्ता तोड़ने की बात कहकर घर से निकले थे। हालांकि, घटनास्थल पर आकर उन्हें पता चला कि अधरसिंह मधुमक्खी का छत्ता तोड़नो जंगल आए थे। लामता पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए लामता अस्पताल भिजवा दिया है। पुलिस ने बताया कि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

तेंदूपत्ता तोड़ने गए ग्रामीण पर बाघ का हमला, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

झाड़ियों से गर्दन दबोचकर एक किमी दूर घसीट ले गया

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के वन विकास निगम लामता प्रोजेक्ट के चमरवाही बीट में मंगलवार को बाघ ने तेंदूपत्ता संग्रहण कर रहे एक ग्रामीण पर हमला कर दिया। बाघ झाड़ियों में छिपा था और उसने अचानक ग्रामीण की गर्दन दबोच ली। इस दौरान साथ मौजूद महिलाओं के शोर मचाने पर बाघ उसे करीब एक किलोमीटर दूर नाले के पास घसीट ले गया। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने लालबर्रा मुख्य मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया।

नाले के पास मिला क्षत-विक्षत शव

सिवनी जिले का निवासी इंद्रकुमार (45) चार महिलाओं के साथ जंगल में पत्तियां बीन रहा था। बाघ के हमले के बाद सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया। घटनास्थल से मृतक की चप्पलें और बोरी मिलीं, जबकि शव एक किलोमीटर दूर सुनसान नाले के पास क्षत-विक्षत हालत में बरामद हुआ। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

परिजनों को 8 लाख रुपए की सहायता राशि

लालबर्रा रेंजर विजय कुमरे ने बताया कि वन्यप्राणी हमले में मौत होने पर शासन की ओर से कुल 8 लाख रुपए की मुआवजा राशि स्वीकृत की गई है। इसमें से 20,000 रुपए की तात्कालिक सहायता राशि परिजनों को मौके पर ही सौंप दी गई है। शेष 7.80 लाख रुपए कागजी औपचारिकताएं पूरी होते ही पीड़ित परिवार के बैंक खाते में ट्रांसफर करेंगे।

एक महीने में बाघ का दूसरा हमला

क्षेत्रवासियों ने बताया कि लामता रेंज में एक महीने के भीतर बाघ के हमले की यह दूसरी घटना है। इससे पहले अंतरा गांव में भी एक व्यक्ति की जान जा चुकी है। लगातार हो रहे हमलों से लालबर्रा और लामता क्षेत्र के ग्रामीण दहशत में हैं। वन विभाग ने जंगल की सीमाओं पर 24 घंटे की गश्त शुरू कर दी है और ग्रामीणों को अकेले जंगल न जाने की सलाह दी है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 21 मई 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

खून के बदले खून! तीन साल पुरानी रंजिश का खूनी अंत

अनुराग डहेरिया हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार, दो अब भी फरार

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

कृष्ण लालचंदानी, पुलिस अधीक्षक सिवनी : कानून से खेलने वालों के लिए समाज मे कोई जगह नही, उनका स्थान जेल है।

पुलिस गिरफ्त में चढ़े आरोपी।

जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना क्षेत्र में तीन साल पुराने एक मर्डर का बदला लेने के लिए सनसनीखेज हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। पुरानी रंजिश की आग में जल रहे विरोधियों ने एक युवक पर चाकू और बेसबॉल के डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। इस खूनी खेल का शिकार हुआ युवक कोई और नहीं, बल्कि साल 2023 में हुए योगेश अग्रवाल हत्याकांड का मुख्य आरोपी अनुराग डहेरिया था। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए वारदात में शामिल दो हत्यारों को सलाखों के पीछे भेज दिया है, जबकि दो आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

बेसबॉल के डंडे और चाकू से गोदा, मौके पर ही थमी थी सांसें

घटना 13 मई की रात करीब 10:30 बजे की है। अकबर वार्ड निवासी कान्हा उर्फ बिट्टू बैरागी ने कोतवाली थाने में खौफनाक दास्तान बयां करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के मुताबिक पुरानी रंजिश को लेकर घात लगाए बैठे आरोपी निखिल कुशवाहा, आर्यन धुर्वे, ऋषि रावत और उनके एक अन्य साथी ने अनुराग डहेरिया को घेर लिया।

आरोपियों के सिर पर खून सवार था। उन्होंने अनुराग पर बेसबॉल के डंडों, धारदार चाकू और लात-घूंसों से हमला कर दिया। हमलावरों ने अनुराग के सिर, गर्दन और पेट पर बेरहमी से वार किए। घाव इतने गहरे और घातक थे कि अनुराग ने मौके पर ही तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया।

3 साल पहले की हत्या का खूनी इंतकाम

इस सनसनीखेज कत्ल के पीछे की कहानी 18 मार्च 2023 से जुड़ी है। दरअसल, नीलगिरी हनुमान मंदिर बारापत्थर के सामने शास्त्री वार्ड निवासी योगेश अग्रवाल की देशी पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस हत्याकांड का मास्टरमाइंड यही अनुराग डहेरिया था। तभी से दोनों पक्षों के बीच बदले की चिंगारी सुलग रही थी, जो 13 मई की रात शोला बनकर भड़की और अनुराग को अपनी जान देकर इसकी कीमत चुकानी पड़ी।

दो आरोपी पहुंचे जेल

हत्याकांड के बाद शहर में फैले तनाव को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के मार्गदर्शन और एएसपी दीपक मिश्रा के निर्देशन में कोतवाली पुलिस ने तुरंत एक्शन मोड में काम शुरू किया। एसडीओपी सचिन परते के नेतृत्व में बनी स्पेशल टीम ने संभावित ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश दी। पुलिस ने कत्ल के दो आरोपियों को दबोच लिया है, जिसमे निखिल कुशवाहा (29) निवासी शास्त्री वार्ड, बारापत्थर और आरियन धुर्वे (19), निवासी शास्त्री वार्ड, बारापत्थर है।

सतीश तिवारी, थाना प्रभारी : हर अपराधी को उसके अंजाम तक पहुंचाएंगे।

हथियार जप्त, दो की तलाश जारी

पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर कत्ल में इस्तेमाल किया गया धारदार चाकू और बेसबॉल का डंडा बरामद कर लिया है। कोर्ट में पेशी के बाद दोनों को जेल की हवा खाने भेज दिया गया है। वहीं, मामले का तीसरा आरोपी ऋषि रावत और उसका एक अन्य मददगार अब भी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस जाल बिछा रही है। इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने और आरोपियों को दबोचने में एसडीओपी सचिन परते, कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश तिवारी, उपनिरीक्षक डालचंद ग्यारसिया, सउनि जसवंत ठाकुर, प्रमोद मालवी, संतोष बेन और आरक्षक सिद्धार्थ दुबे, सतीश इनवाती सहित पूरी टीम ने जांबाजी दिखाई।

सड़कों पर अवैध होर्डिंग्स का कचरा

कुंभकर्णी नींद में सोया नगर पालिका और विद्युत विभाग!

अवैध होर्डिंग से पटा शहर।

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाने के दावों की हवा निकालने के लिए सिवनी की सड़कों पर लगे ये अवैध होर्डिंग और पोस्टर ही काफी हैं। विज्ञापन माफियाओं ने शहर की सुंदरता को इस कदर ग्रस लिया है कि अब हर चौराहा, हर सड़क और बिजली का हर खंभा पोस्टरबाजी का शिकार हो चुका है। ऐसा लगता है कि शहर की खूबसूरती पर ग्रहण लगाने की जैसे होड़ मची हो!

लेकिन सबसे बड़ा और कड़वा सवाल यह है कि क्या नगर पालिका और विद्युत विभाग ने सच में कुंभकरण की नींद का पेटेंट करा लिया है?

हैरानी की बात यह है कि सरकारी विभागों की मेहरबानी के चलते ये अवैध होर्डिंग रात-दिन सीना ताने खड़े रहते हैं। जब कभी जनता का दबाव बढ़ता है, तो प्रशासन खानापूर्ति के लिए चंद पोस्टर उतारकर अपनी पीठ थपथपा लेता है। वही जनता का साफ कहना है कि सिर्फ खंभों से पोस्टर उतार देना इस लाइलाज बीमारी का समाधान नहीं है। जब तक इन अवैध पोस्टरबाजों पर कड़ा कानूनी डंडा नहीं चलेगा और भारी-भरकम जुर्माना लगाकर इन्हें दंडित नहीं किया जाएगा, तब तक ये शहर की शक्ल बिगाड़ते रहेंगे।

ज्ञानचंद सनोडिया, अध्यक्ष नगर पालिका सिवनी : नेता कमजोर या कमीशन का जोर?

विशाल सिंह मर्सकोले, सीएमओ नगर पालिका सिवनी : नेताओ की गूंगी गुड़िया।

बिजली के खंभे या विज्ञापन के मुफ्त अड्डे?

विद्युत विभाग के खंभों पर सरेआम नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए स्कूल, कोचिंग और राजनीतिक दलों के पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। क्या विद्युत विभाग को अपनी संपत्ति पर हो रहा यह अवैध कब्जा दिखाई नहीं देता? या फिर अंधेर नगरी, चौपट राजा वाली तर्ज पर सब कुछ जानकर भी आंखें मूंद ली गई हैं? अब देखना यह है कि इस समाचार के बाद नगर पालिका और विद्युत विभाग की नींद टूटती है या फिर सिवनी शहर इसी तरह अवैध होर्डिंग्स के मलबे तले दम तोड़ता रहेगा। प्रशासन को अब सिर्फ पोस्टर हटाने की रस्म छोड़, सीधे कड़क जुर्माने की सर्जिकल स्ट्राइक करनी होगी!

प्रभारी कलेक्टर ने हरहरपुर उपार्जन केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर ने बुधवार को कुरई विकासखण्ड अंतर्गत हरहरपुर उपार्जन केन्द्र का औचक निरीक्षण कर समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से चर्चा कर उपार्जन व्यवस्था, तौल, भुगतान एवं परिवहन संबंधी जानकारी प्राप्त की। प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने केन्द्र पर उपलब्ध बारदाना, तौल व्यवस्था, भंडारण एवं परिवहन कार्यों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उपार्जित गेहूं का समय पर परिवहन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने केन्द्र पर साफ-सफाई एवं रिकॉर्ड संधारण व्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्लॉट बुकिंग करा चुके किसानों से सुगम एवं व्यवस्थित रूप से उपार्जन सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े तथा निर्धारित स्लॉट के अनुसार त्वरित तौल एवं खरीदी कार्य किया जाए। प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने उपार्जित गेहूं का त्वरित रूप से उठाव कर सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

सिवनी के अरंडिया गांव में भालू के मुवमेंट से दहशत, अलर्ट जारी

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले के उगली वन परिक्षेत्र स्थित अरंडिया गांव में पिछले तीन दिनों से भालू का मुवमेंट बना हुआ है। ग्राम पंचायत विभारी के इस क्षेत्र में भालू को लगातार गांव के आसपास और आंगनबाड़ी भवन के पास देखा गया है। वन विभाग ने स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों के लिए सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

मधुमक्खियों के छत्ते और शहद के कारण आ रहा

वन विभाग के रेंजर शिवभान नागेश्वर के अनुसार, अरंडिया गांव में मधुमक्खियों के कई छत्ते लगे हुए हैं। शहद भालू का मुख्य भोजन है, जिसके कारण वह जंगल से निकलकर आबादी वाले क्षेत्र की ओर आ रहा है। साथ ही गर्मी के मौसम में पानी और भोजन की तलाश भी वन्य प्राणियों के मूवमेंट की एक बड़ी वजह है।

रात में अकेले बाहर न निकलने की अपील

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे रात के समय घरों से अकेले न निकलें और बच्चों को भी दूर न जाने दें। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि भालू दिखने पर उसे छेड़ने या पत्थर मारकर भगाने का प्रयास न करें, क्योंकि इससे वह हिंसक हो सकता है। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत वन अमले को सूचित करने के लिए कहा गया है।

- **ग्रामीणों ने की रेस्क्यू की मांग**

ग्रामीणों ने हाल ही में कुरई क्षेत्र में हुए भालू के हमले का हवाला देते हुए जल्द रेस्क्यू की मांग की है। रेंजर ने बताया कि विभाग स्थिति पर निरंतर नजर बनाए हुए है और भालू को सुरक्षित वापस जंगल की ओर भेजने के लिए रेस्क्यू टीम सक्रिय की जा रही है। इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी तरह की जनहानि को रोका जा सके।

हादसे रोकने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर लगाए गए रेडियम

वाहन चालकों को दी गई समझाइश

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर के निर्देशानुसार परिवहन विभाग सिवनी द्वारा बुधवार को नागपुर रोड स्थित मरझोर रोड वेयरहाउस, गोपालगंज बायपास स्थित आभा एवं नंदन वेयरहाउस भोगाखेड़ा में खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रेडियम लगाए गए। इस दौरान ट्रैक्टर चालकों एवं वाहन स्वामियों को यातायात नियमों का पालन करने, वाहन का संचालन सावधानी एवं सतर्कता के साथ करने की समझाइश दी गई। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा एवं रात्रिकालीन दुर्घटनाओं की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए वाहनों पर रेडियम लगाए जा रहे हैं, जिससे अन्य वाहन चालकों को वाहन आसानी से दिखाई दे सके।

युवा संगम कार्यक्रम अंतर्गत रोजगार मेले में 87 युवाओं का प्रारंभिक चयन

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला कलेक्टर के निर्देशन में जिला प्रशासन, जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा रामरमन प्राइवेट आईटीआई सिवनी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को युवा संगम कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की 09 कंपनियों ने भाग लिया। कुल 124 युवाओं ने पंजीयन कर सहभागिता की, जिनमें से 87 युवाओं का विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रारंभिक चयन किया गया। मेले में ट्रेनी, सहायक, कॉल सेंटर, फील्ड वर्कर, मशीन ऑपरेटर, पर्यवेक्षक एवं तकनीकी सहायक सहित विभिन्न पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया संपन्न हुई। अप्रेंटिसशिप के अंतर्गत आमधनी प्राइवेट लिमिटेड गुजरात द्वारा 05 युवाओं का चयन किया गया, जबकि आरएसीटी सिवनी द्वारा 12 आवेदकों का प्रशिक्षण हेतु प्रारंभिक चयन किया गया।

स्वरोजगार योजनाओं के तहत ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा 04 स्व-सहायता समूहों को 21 लाख रुपये के स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। वहीं मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना अंतर्गत एक हितग्राही को 02 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया।

जिले के 400 से अधिक मेडिकल स्टोर बंद रहे

सिवनी में ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में प्रदर्शन

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

आल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के आह्वान पर बुधवार को सिवनी जिले सहित पूरे प्रदेश में मेडिकल स्टोर बंद रहे। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में जिले के 400 से अधिक मेडिकल स्टोर बंद होने से मरीजों और उनके परिजनों को दवाएं लेने में परेशानी हुई। हालांकि, केमिस्ट एसोसिएशन ने पहले ही लोगों से आवश्यक दवाएं खरीदकर रखने की अपील की थी, जिससे स्थिति कुछ हद तक नियंत्रित रही।

सिवनी केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण राठौर और सचिव विजय चंदानी ने बताया कि जिले के सभी आठों विकासखंडों में मेडिकल व्यापारियों ने बंद को पूर्ण समर्थन दिया। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी अधिकांश मेडिकल स्टोर पूरे दिन बंद रहे। एसोसिएशन ने यह भी स्पष्ट किया कि आपातकालीन और आवश्यक चिकित्सा सेवाओं को प्रभावित न होने देने के निर्देश दिए गए थे।

एआईओसीडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.एस. शिंदे और महासचिव राजीव सिंघल के अनुसार, देशभर के लगभग 12.40 लाख केमिस्ट और दवा वितरक इस संगठन से जुड़े हैं। संगठन ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, स्वास्थ्य मंत्रालय और ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया को कई बार ज्ञापन सौंपकर ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने की मांग की थी। कोई ठोस कार्रवाई न होने पर राष्ट्रव्यापी बंद का निर्णय लिया गया।

आदिवासी बाहुल्य घंसौर क्षेत्र में भी मेडिकल संचालकों ने ऑनलाइन दवा बिक्री और ई-फार्मेसी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। व्यापारियों ने तहसीलदार के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। उनका कहना है कि बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियां भारी छूट देकर बाजार पर कब्जा करने का प्रयास कर रही हैं, जिससे छोटे और मध्यम स्तर के मेडिकल व्यवसाय खत्म होने की कगार पर पहुंच गए हैं। केमिस्टों ने अवैध ई-फार्मेसी पर प्रतिबंध, शोषणकारी मूल्य निर्धारण पर रोक, नोटिफिकेशन जीएसआर 817 (ई) व जीएसआर 220 (ई) की वापसी तथा नकली और अवैध दवाओं के कारोबार पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के दवाओं की बिक्री मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433